दिनांक 08–11–2017 को अपरान्ह 03:00 बजे सर्वे ऑफ इण्डिया कार्यालय, हाथी बड़कला देहरादून में मा0 अध्यक्ष, राजस्व परिषद् एवं मा0 सर्वेयर जनरल ऑफ इण्डिया की उपस्थिति में उत्तराखण्ड राज्य में सर्वेक्षण एवं पुनः सर्वेक्षण (बन्दोबस्त) किये जाने के सम्बन्ध में आहूत बैठक का कार्यवृत्त

उपस्थितिः–

1. श्री हरवंश सिंह चुघ, सचिव (प्र0), उत्तराखण्ड शासन, राजस्व विभाग, देहरादून।
2. श्री एस0एन0पाण्डे, आयुक्त एवं सचिव, उत्तराखण्ड राजस्व परिषद्, देहरादून।
3. श्री एस0ए0 मुरूगेशन, जिलाधिकारी, देहरादून।
4. श्री सुशील कुमार, जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल।
5. श्री संजय कुमार, अपर आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।
6. श्री गिरीश चन्द्र गुणवन्त, स्टाफ आफिसर, राजस्व परिषद्, देहरादून।
7. श्री जे0पी0 जोशी, अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन, राजस्व विभाग, देहरादून।
8. श्री पुष्कर कुमार, साईंसटिस्ट–सी, यू सेक, देहरादून।
9. श्री संतोष रावत, सीनियर प्रोजेक्ट फेलो, यू0सेक, देहरादून।
10. श्री आर0के0 मीना, डायरेक्टर, सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून।
11. श्री पी0 मिश्रा, डिप्टी डायरेक्टर, सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून।
11. ले0 कर्नल श्री के0एस0 बोरहार, सीनियर साईंसटिस्ट, सर्वे ऑफ इण्डिया, देहरादून।
12. श्री मदन मोहन, तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
13. श्री कैलाश सिंह, अपर जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
14. श्री ए0के0 कण्डवाल, तकनीकी सलाहकार।
15. सुश्री विप्रा त्रिवेदी, उप राजस्व आयुक्त (भू0व्य0), राजस्व परिषद्, देहरादून।
16. श्री वेदप्रकाश, अनुभाग अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन, राजस्व अनुभाग–3, देहरादून।
17. सुश्री मीनाक्षी पटवाल, उप जिलाधिकारी मसूरी/ए0आर0ओ0, देहरादून।
18. सुश्री सोनिया पन्त, प्र0 उप राजस्व आयुक्त (भू0व्य0), राजस्व परिषद्, देहरादून।
19. श्री बी0एल0 कोहली, अनुभाग अधिकारी, राजस्व परिषद, देहरादून।
20. श्री मोहम्मद अशरफ, सर्वे नायब तहसीलदार, देहरादून।
21. श्री विष्णु प्रसाद, वरिष्ठ सहायक, ए0आर0ओ0 कार्यालय, देहरादून।
22. श्री एस0सी0 पाण्डेय, डायरेक्टर, एस0के0पी0, बड़ोदरा।
23. श्री एस0जी0 अनन्त नारायणन, बिजनेस हेड, जी0आई0एस0 कन्सोर्टियम इण्डिया, नोयडा।

सर्वप्रथम महासर्वेक्षक महोदय द्वारा बैठक में उपस्थित अधिकारीगण का स्वागत किया गया। अधिकारीगण द्वारा अपना–अपना परिचय दिया गया।

1. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद् द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में बन्दोबस्त/सर्वेक्षण की पृष्ठभूमि के बारे में संक्षेप में बताया गया।

2. तकनीकी निदेशक, NIC द्वारा DILRMP परियोजना के अन्तर्गत सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण की योजना के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

3. श्री कण्डवाल द्वारा अल्मोड़ा तथा पौड़ी जनपदों के सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण हेतु विभिन्न तकनीकों के मिले–जुले स्वरूप की आवश्यकता पर बल दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि इन दो जनपदों में सजरों के डिजिटाईजेशन का कार्य चल रहा है। अतः सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण करना सुविधाजनक होगा।

4. महासर्वेक्षक, द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण हेतु उपलब्ध तकनीकों पर प्रकाश डाला गया एवं अवगत कराया गया कि Aerial Photography तथा Electronic Total Station तकनीकों का उपयुक्त संयोजन उत्तराखण्ड राज्य में सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण हेतु उपयुक्त रहेगा। सर्वेक्षण कार्य में 2 से 3 वर्ष लगने का अनुमान है तथा जितने ज्यादा क्षेत्रफल का सर्वेक्षण कराया जायेगा, प्रतिवर्ग मीटर क्षेत्रफल लागत उतनी कम आयेगी।

Scanned by CamScanner

5. मा0 अध्यक्ष, राजस्व परिषद् महोदय द्वारा सर्वेक्षण/पुनः सर्वेक्षण हेतु उपरोक्त तकनीकों की सीमाओं/बाधाओं के सम्बन्ध में विचार की अपेक्षा की गई। पूर्व में हुए सर्वेक्षण तथा भूमि के स्वरूप में अत्यधिक परिवर्तन होने के कारण उनका भौतिक मिलान वर्तमान में पूर्णरूपेण संभव नहीं है, इसलिए पुराने अभिलेखों/सजरों से धरातल पर मिलान में समस्या आ सकती है, *जिसका समाधान ढूँढ़ना आवश्यक है।*

6. सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा महासर्वेक्षक महोदय से सर्वेक्षण कार्य में आने वाली अनुमानित लागत के सम्बन्ध में अनुरोध किया गया तथा सर्वप्रथम अल्मोड़ा एवं पौड़ी जनपदों में सर्वेक्षण कराने का विचार व्यक्त किया गया। इस सम्बन्ध में महासर्वेक्षक महोदय द्वारा सुझाव दिया गया कि तकनीकी रूप से पूरे राज्य की Aerial Photography एक साथ करने के पश्चात् जनपदवार सर्वेक्षण कार्य कराया जा सकता है, जिससे लागत में भी कमी होगी तथा Aerial Photography का डॉटा पूरे प्रदेश के लिए तथा सभी विभागों एवं योजनाओं के लिए अगले कई वर्षों हेतु एक महत्वपूर्ण डॉटा होगा।

7. सम्यक् विचार–विमर्श उपरान्त निर्णय लिया गया कि निम्नवत अधिकारियों की एक समिति गठित की जाये, जो संपूर्ण उत्तराखण्ड राज्य की Aerial Photography तथा सर्वेक्षण एवं पुनः सर्वेक्षण (बन्दोबस्त) हेतु एक विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसके आधार पर विचार–विमर्श कर अग्रेत्तर कार्यवाही की जायेगी।

1. श्री आर0 के0 मीना, डायेक्टर, एस0ओ0आई, देहरादून–**सदस्य।**
2. श्री पी0 मिश्रा, डिप्टी डायरेक्टर, एस0ओ0आई0, देहरादून–**सदस्य।**
3. श्री मदन मोहन, तकनीकी निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड, देहरादून–**सदस्य।**
4. सुश्री विप्रा त्रिवेदी, उप राजस्व आयुक्त (भू0व्य0), राजस्व परिषद्, उत्तराखण्ड, देहरादून–**सदस्य सचिव।**

8. श्री एस0सी0 पाण्डेय, डायरेक्टर, एस0के0पी0, बड़ोदरा तथा श्री एस0जी0 अनन्त नारायणन, बिजनेस हेड, जी0आई0एस0 कन्सोर्टियम, नोयडा द्वारा सर्वेक्षण के सम्बन्ध में अन्य राज्यों में उनके द्वारा किये गये कार्यों का प्रजेन्टेशन किया गया।

9. अन्त में मा0 अध्यक्ष, राजस्व परिषद् द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारीगण का धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा महासर्वेक्षक महोदय एवं उनके अधिकारीगण का धन्यवाद करते हुए भविष्य में सहयोग हेतु अपेक्षा की गई।

ह0
एस0रामास्वामी
अध्यक्ष
राजस्व परिषद्।

राजस्व परिषद्, उत्तराखण्ड देहरादून।

सं0:– 5223 /चार–सर्वे0बैठक–कार्यवृत्त/ 2017, दिनांक 18 नवम्बर, 2017।

प्रतिलिपिः– निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. वरिष्ठ निजी सचिव, मा0 अध्यक्ष, राजस्व परिषद् को मा0 अध्यक्ष महोदय के अवलोकनार्थ।
2. वरिष्ठ निजी सचिव, सर्वेयर जनरल, भारत सरकार, महोदय, हाथी बड़कला एस्टेट, देहरादून को सर्वेयर जनरल, महोदय के अवलोकनार्थ।
3. सचिव, उत्तराखण्ड शासन, राजस्व विभाग, देहरादून।
4. सर्व सम्बन्धित अधिकारीगण को अनुपालनार्थ प्रेषित।
5. रक्षण पंजी/सम्बन्धित पत्रावली हेतु।

(एस0 एन0 पाण्डे)
आयुक्त एवं सचिव
राजस्व परिषद्, उत्तराखण्ड
देहरादून।

Scanned by CamScanner